अखिल भारतीय महाराजा श्री अग्रसेन सोशल ग्रुप, कोटा, राजस्थान में 33वें अग्रवाल युवक-युवती परिचय सम्मेलन के सामाजिक सम्मेलन में भाषण

---

21 जून 2020
कोटा, राजस्थान

सबसे पहले मैं अग्रसेन सोशल ग्रुप, कोटा के सभी पदाधिकारियों और सदस्यों का आभार प्रकट करता हूँ कि आज आप सबसे जुड़ने और बातचीत करने का मुझे अवसर प्रदान किया गया है। यहां इस ऑनलाईन डिजिटल मंच के माध्यम से आप सब से जुड़ कर, बातें कर के मुझे बहुत अच्छा लग रहा है। आपकी संस्था अग्रसेन समाज एक नामचीन समाजसेवी संस्था है।

साथियो, अग्रवाल समाज ने सदैव अपने कार्यों से अपनी पहचान बनाई है और अपनी कार्य शैली से एक विशिष्ट छाप छोड़ी है। यह अपनी समृद्ध परंपराओं, सांस्कृतिक विरासत और सामाजिक मूल्यों से पूरी तरह जुड़ी हुई है और भविष्य के लिए आदर्श नागरिक तैयार करने में अपना सार्थक योगदान दे रही है। अग्रवाल समाज को व्यवसाय, व्यापार और वाणिज्य कौशल तथा समृद्धि एवं रोजगार सृजन की दिशा में पीढ़ियों से अपने महत्वपूर्ण योगदान के लिए तो जाना ही जाता है, साथ ही सेवा भाव और जनकल्याण के कार्यों में भी यह सबके लिए प्रेरणा स्रोत है।

'मानव सेवा ही माधव सेवा' है, इस मान्यता को हमारा अग्रवाल समाज जीवन का मूल मंत्र मानता आया है। अपने जीवन से लेकर अपनी मृत्यु तक हम किसी न किसी रूप में समाज पर निर्भर रहते हैं। इस प्रकार हम समाज के ऋणी होते हैं और समाज के प्रति आभारी होते हैं। अतः, इस मायने में हमारा यह कर्तव्य बन जाता है हम इस ऋण भार से मुक्त होने का प्रयास करें और अपने जीवन में समाज से जो हमने प्राप्त किया है उसे समाज को लौटाने का भी प्रयास करें।

समाज सेवा हमें समाज को अपनी ओर से कुछ देने का अवसर प्रदान करती है, जितना हमने प्राप्त किया है उसकी तुलना में चाहे उसकी मात्रा अल्प ही क्यों न हो।

वास्तव में देखा जाए तो मानवता की सेवा करने के लिए अवसरों की कोई कमी नहीं है। हम ऐसे अवसरों से घिरे हुए हैं, आवश्यकता केवल इस बात की है कि हम सही दृष्टिकोण के साथ उन अवसरों को पहचानें और उस दिशा में कार्य करें।

मुझे खुशी है कि श्री अग्रसेन सोशल ग्रुप, कोटा पिछले बीस वर्षों से सामाजिक सेवाओं के क्षेत्र में बहुत सक्रिय है। यह कई प्रकार के सामाजिक कार्यक्रमों जैसे कि - परिचय सम्मेलन, सामुहिक विवाह सम्मेलन, प्रतिभावान विद्यार्थियों का सम्मान, वृक्षारोपण, सावन मेला आदि अनेक सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन करता रहा है। गरीब बच्चों की शिक्षा के लिए आर्थिक सहायता, आंगनबाड़ी केन्द्रों की गतिविधियों में सहायता, गर्भवती महिलाओं के लिए पोषाहार की व्यवस्था आदि भी आपके नियमित सेवा कार्यों का हिस्सा रहे हैं।

साथियो, वर्तमान समय में कोविड महामारी से पूरा विश्व जूझ रहा है। हमारे देश में कोरोना संक्रमण के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। समाज का हर तबका इससे प्रभावित हो रहा है। देश व्यापी लॉकडाऊन से हमें संक्रमण की गति को नियंत्रित करने में मदद मिली है। लेकिन हमें आर्थिक हालात की भी चिंता करनी है। ऐसे में हमें इस लॉकडाऊन की स्थिति से धीरे-धीरे बाहर निकलना भी जरूरी है। यह बड़ा ही क्रिटिकल फेज़ है। इसीलिए हमें संक्रमण के बढ़ते हुए मामले देखने को मिल रहे हैं। सरकार अपने स्तर पर हर तरह का प्रयास कर रही है- चाहे वह मेडिकल क्षेत्र में हो या फिर आर्थिक सहायता की बात हो।

ऐसे हालात में लोकोपकारी संस्थाओं के कार्यों का महत्व और अधिक बढ़ जाता है। मुझे बड़ी खुशी है कि इस घड़ी में आपकी संस्था अग्रसेन सोशल ग्रुप गरीबों और जरूरतमंदों को हर प्रकार की सुविधा उपलब्ध करा रही है। चाहे वह भोजन का वितरण हो, राशन का वितरण हो, मास्क का वितरण हो, किसी प्रकार की मेडिकल हेल्प पहुंचानी हो या प्रशासन की मदद करनी हो। आपकी संस्था की उपस्थिति हर जगह दिख रही है। देश व समाज इस आपात स्थिति में आपके द्वारा किए जा रहे इन सहायता कार्यों को कभी नहीं भूलेगा।

हमारे देश की कुल जनसंख्या का एक छोटा-सा हिस्सा होने के बावजूद भी, अग्रवाल समाज ने राष्ट्र निर्माण में बड़े पैमाने पर योगदान दिया है और हमारे राष्ट्र के सामाजिक और आर्थिक जीवन पर अपनी अमिट छाप छोड़ी है।

आज इस परिचय सम्मेलन में कई युवक - युवती सम्मिलित हैं। मैं आप सभी युवक-युवतियों का हमारे समुदाय द्वारा आयोजित वार्षिक सम्मेलन में अभिनंदन करता हूँ। इस प्रकार के सम्मेलन इच्छुक युवक और युवतियों को उनके भावी जीवन साथी चुनने के लिए एक मंच प्रदान करता है। मैं इस इस पावन अवसर पर आप सभी युवक-युवतियों को शुभकामनाएं देता हूँ कि आप अपने लिए बेहतर एवं मनोनुकूल निर्णय ले सकें। मैं यहां एकत्रित हुए युवक और युवितियों से आग्रह करूँगा कि जीवन के इस सुन्दर सफर का आरंभ करते हुए कठिन परिश्रम अवश्य करें और स्वाभिमान के साथ एक सफल जीवन की ओर अग्रसर हों।

अग्रवाल समाज ने सदा से ही राष्ट्र के उत्थान और प्रगति में उल्लेखनीय योगदान किया है। आपकी संस्था ने भी समाज सुधार के अग्रदूत के रूप में अपनी प्रशंसनीय भूमिका निभायी है। समय के साथ-साथ समाज में हो रहे परिवर्तनों के अनुरूप आपकी संस्था ने स्वयं को ढाला है। कोविड-19 के इस दौर में ऑनलाइन परिचय सम्मेलन का आयोजन इसका एक ज्वलन्त उदाहरण है। आपकी संस्था ने हमारे सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में सशक्त रूप से अपनी उपस्थिति दर्ज करायी है। इसलिए आज यह एक प्रगतिशील मंच के रूप में स्थापित और सर्वमान्य हो चुकी है।

साथियो, यह देखते हुए कि आज हम कोविड-19 की एक अभूतपूर्व चुनौती का सामना कर रहे हैं, जिसने पूरी दुनिया को एक ठहराव में ला दिया है, मैं यहां उपस्थित सभी लोगों से, और पूरे अग्रवाल समुदाय से नए सिरे से रूचि और जोश के साथ आगे आने और अपने कंधों पर अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने की अपने हिस्से की जिम्मेदारी उठाने की अपील करता हूँ।

हमारे माननीय प्रधानमंत्री ने आत्मनिर्भर भारत के निर्माण का आह्वान किया है। हमें लोकल के लिए वोकल होना है। इसका मतलब है कि हमें स्थानीय और स्वदेशी वस्तुओं की ओर लौटना चाहिए। मुझे यकीन है कि आर्थिक

प्रगति के ध्वजवाहक के रूप में, स्थानीय वस्तुओं के उत्पादन और प्रसार की दिशा में अग्रवाल समुदाय के सदस्यों द्वारा एक छोटी सी पहल देश के सामाजिक-आर्थिक परिदृश्य को बदलने में मदद करेगी। हमारे छोटे और मंझोले उद्यमों में काफी संभावनाएं हैं; हमारे विनिर्माण क्षेत्र को विकसित होने की बहुत गुंजाइश है; और इसका बीड़ा उठाने के लिए हमारे पास युवा उद्यमियों का प्रतिभाशाली समूह है। भारत के चौतरफा आर्थिक विकास हेतु हमारे पास सुस्थापित नीतियां और योजनाएं मौजूद हैं। हमारे पास पहले से ही मेक इन इंडिया कार्यक्रम, स्टार्टअप इंडिया और मुद्रा योजना है। आइए हम इसे राष्ट्रीय आंदोलन बनाते हैं। हमारा अग्रवाल समुदाय पूरे देश में फैला हुआ है। आइए एक बार फिर हमारे समुदाय को देश के आर्थिक इंजन को चलाने का गौरव प्रदान करें और भारत को एक उन्नत और समृद्ध राष्ट्र बनाएं। मैं यहां आए सभी प्रतिभागियों, युवक-युवतियों से आह्वान करना चाहता हूँ कि आप अपने आपको आत्मनिर्भर बनाएं। किसी ने कहा है कि 'सिर्फ पानी से नहाने वाला सफल नहीं होता है, बल्कि पसीने से नहाने वाले ही दुनिया बदलते हैं।'

जैसा कि आप सभी जानते हैं कि आज 21 जून को हम अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस भी मना रहे हैं। योग एक शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक समन्वय का अभ्यास है। हमें गर्व है कि भारत में योग का उद्भव हुआ, और अब अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर इसका भरपूर प्रचार-प्रसार हो रहा है। यदि हम योग को वैश्विक अभ्यास बनाने में सफल हुए हैं, तो हम निश्चित रूप से अन्य स्वदेशी उत्पादों को विश्व स्तर पर लोकप्रिय बना सकते हैं। हमें न केवल 'जीरो डिफेक्ट, जीरो इफेक्ट' सुनिश्चित करना है, बल्कि हमारे सभी हितधारक जैसे कि व्यावसायिक समुदाय, सरकार और लोगों को आगे आना चाहिए और ब्रांड इंडिया की छवि बनाने में हाथ मिलाना चाहिए।

मैं एक बार फिर आपकी संस्था द्वारा समाज की बेहतरी के साथ-साथ समग्र रूप से अपने राष्ट्र के कल्याण के लिए किए जा रहे अथक प्रयासों की हृदय से सराहना करता हूँ। कोविड संकट के बीच इस तरह के भव्य आयोजन के लिए मैं अखिल भारतीय महाराज श्री अग्रसेन सोशल ग्रुप कोटा को धन्यवाद देना चाहता हूँ। मैं सभी प्रतिभागियों, युवक-युवतियों को शुभकामनाएं देता हूँ और आशा करता हूँ कि आपको अपनी पसन्द के साथी मिलें। मैं 33वें अग्रवाल युवक-युवती परिचय सम्मेलन के सफलता की कामना करता हूँ।